

हरिमोहन प्रामाणिक प्रणीत २०४२
और यशोदानन्दन प्रामाणिक प्रकाशित १८/११/३८

भारतवर्षीय

संस्कृत कवियों का समय निरूपण

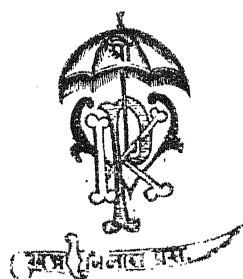
जिस को

म० कु० बाबू रामदीन सिंह

के आशानुसार

पण्डित सरयूप्रसाद मिश्र ने

बंगला से हिन्दी भाषा में अनुवाद किया



गटना—“खजुराहो प्रेस”—बांकीपुर।

प्रेमसाद सिंह ने छापकर प्रकाशित किया।

८६१.२०२०६

१६०१

हरि/भा